श्रमण विद्या संकाय

संकायाध्यक्ष

प्रो0 रमेश प्रसाद

प्रस्तोता

प्रो0 हरिशंकर पाण्डेय

श्रमण विद्या संकाय

- बौध्द दर्शन विभाग
- जैन दर्शन विभाग
- पालि एवं थेरवाद विभाग
- प्राकृत एवं जैनागम विभाग
- संस्कृत विद्या विभाग

इतिहास

1. श्रमणविद्या संकाय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के शैक्षिक – संकायों में से एक स्वतंत्र संकाय है। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार 26 सितम्बर, 1978 से प्रवृत्त विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का संकायों के रूप में पुनर्गठन हुआ। इस परिनियमावली के अध्याय 6 की धारा 27(1) परिनियम 7.01 में प्राच्य विद्या की विभिन्न शाखाओं के पारम्परिक शास्त्रीय अध्ययन – अनुसंधान से सम्बद्ध पॉच संकायों में श्रमण विद्या संकाय एक है।

2. प्रचीन भारतीय विद्याओं के पारम्परिक शास्त्रीय अध्ययन – अनुसंधान आदि के विकास के लिए यह स्वाभाविक आर आवश्यक था कि संकायों के अनुसार विश्वविद्यालय के विभागों का पुनर्गठन करते समय श्रमण परम्पराओं की दो सशक्त प्राचीन भारतीय – धाराओं बौध्द आर जैन परम्पराओं की विभिन्न शाखा – प्रशाखाओं के उच्चस्तरीय अध्ययन – अनुसंधान के लिए इन परम्पराओं से सम्बद्ध विभागों को एक श्रमणविद्या – संकाय के अन्तर्गत संगृहीत कर दिया जाय। बौध्द आर जैन परम्परा के मनीषियों ने सहस्त्रों वर्षों तक अनवरत विभिन्न भारतीय भाषाओं में विपुल मात्रा में वाङ्मय की रचना की। उन्होंने त्याग, तपस्या आर निःश्रेयस् का मार्ग अन्वेषण करने के लिए जो बहुआयामी धार्मिक, दार्शनिक एवं सामाजिक चिन्तन किया, उसे संगृहीत करके सांस्कृतिक अवदान के रूप में सुरक्षित कर दिया। उच्चस्तरीय एवं अन्तःशास्त्रीय अध्ययन – अनुसन्धान के लिये श्रमणविद्या – संकाय के अन्तर्गत विभिन्न विभागों का गठन किया गया है।

3. विश्वविद्यालय की परिनियमावली के अनुसार श्रमण विद्या संकाय के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग हैं –

- ❖ बौद्ध दर्शन विभाग
- ❖ जैन दर्शन विभाग
- ❖ पालि एवं थेरवाद विभाग
- ❖ प्राकृत एवं जैनागम विभाग
- ❖ संस्कृत विद्या विभाग

भारतीय विद्या संस्कृति एवं संस्कृत – प्रमाण पत्रीय विभाग सम्प्रति संस्कृत विद्या विभाग विश्वविद्यालय के स्थापना काल सन् 1958 ई०से ही एक सशक्त और स्वतंत्र विभाग का कार्य सम्पन्न करता रहा है।

4. विश्वविद्यालय में श्रमणविद्या – संकाय की गठन का यह उपक्रम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। देश – विदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का स्वतंत्र संकाय नहीं है, जहां एक साथ श्रमणविद्याओं के समुचित अध्ययन, अनुसन्धान की सुविधा उपलब्ध हो । यही कारण है कि विश्वविद्यालय द्वारा श्रमणविद्या – संकाय के गठन को अत्यंत महत्वपूर्ण और एक विशिष्ट कार्य माना गया है।

5. श्रमण विद्या – संकाय के विभागों में पढ़ाये जाने वाले विषयों के कारण भी इस संकाय को एक विशिष्ट स्थान और महत्व प्राप्त है । विश्वविद्यालय अन्य चार प्राचीन शास्त्रीय शैक्षिक संकायों के विभिन्न विभागों में जिन विषयों के अध्ययन की सुविधा है, वे विषय इस विश्वविद्यालय से सम्बध्द शताधिक विद्यालयों - महाविद्यालयों में भी पढ़ाये जाते हैं, वहां भी इन विषयों के अधिकारी विद्वान् उपलब्ध हैं। इसके विपरीत श्रमणविद्या – संकाय के विभिन्न विभागों में पालि, बौद्धदर्शन, प्राकृत एवं जैनागम, जैनदर्शन आदि जो विषय पढ़ाए जाते हैं, कतिपय अल्पमात्रा में संबद्ध महाविद्यालयों में इन विषयों का अध्ययन – अध्यापन होता है। अध्ययन – अनुसन्धान की व्यवस्था एकमात्र संकाय के विभागों में ही है।

ध्येय

- भारतीय विद्याओं का पुनरश्चरण, संथापन तथा विकास करना।
- भारत की सांस्कृतिक विरासत को लोक योग्य बनाना।
- लोक / देश कैसे सुखमय हो – श्रमणविद्या में गोपित सूत्रों के माध्यम से उद्धारित करना।

दृष्टि

- समन्वय
- अनेकान्तदृष्टि
- सर्वसुखमय दृष्टि
- उन्नयन – विकास दृष्टि

संकाय के अन्तर्गत विभाग

- बौद्धदर्शन विभाग
- जैनदर्शन विभाग
- पालि एवं थेरवाद विभाग
- प्राकृत एवं जैनागम विभाग
- संस्कृत विद्या विभाग

संकाय के द्वारा दी जाने वाली उपाधियां

- शास्त्री
- आचार्य
- विद्यावारिधि
- वाचस्पति

संकाय में स्वीकृत पाठ्यक्रम

- संस्कृत प्रमाण पत्रीय
- शास्त्री
- आचार्य
- विद्यावारिधि
- वाचस्पति

संकाय में विगत पाँच वर्षों के छात्रों की संख्या

क्र.सं.	सत्र	शास्त्री प्रथम वर्ष/ I,II सेमे.		शास्त्री द्वितीय वर्ष/ III, IV सेमे.		शास्त्री तृतीय वर्ष/ V,VI सेमे.		आ. I, II सेमे.		आ. III, IV सेमे.		कुल छात्रों की संख्या
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	
1	2019-20	16	42	21	38	11	29	56	28	29	07	277
2	2020-21	07	36	06	05	36	10	50	11	48	15	224
3	2021-22	17	12	06	33	06	22	14	26	19	18	173
4	2022-23	17	42	07	22	04	29	29	26	29	19	224
5	2023-24	14	27	07	34	04	28	22	19	18	19	192

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में छात्रों की संख्या

क्र.सं.	सत्र	शास्त्री प्रथम वर्ष/ I,II सेमे.		शास्त्री द्वितीय वर्ष/ III, IV सेमे.		शास्त्री तृतीय वर्ष/ V,VI सेमे.		आ. I, II सेमे.		आ. III, IV सेमे.		कुल छात्रों की संख्या
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	
1	2024-25	51	05	30	00	32	01	36	03	18	03	179

संकाय के शोध छात्रों का विवरण

पालि एवं थेरवाद विभाग

क्र.सं.	शोधार्थी	पंजीकरण	दिनांक	कार्यरत शोध छात्र	निर्देशक
1	नवांग थोकमे	4638/6239	29/04/2023	कार्यरत	प्रो. रमेश प्रसाद
2	दीपंकर	4687/6288		कार्यरत	प्रो. रमेश प्रसाद
3	नन्दसार	4797/6398	29/11/2024	कार्यरत	प्रो. रमेश प्रसाद
4	कोण्डञ्ञ	4796/6397	29/11/2024	कार्यरत	प्रो. रमेश प्रसाद
5	जनक	4794/6395	29/11/2024	कार्यरत	प्रो. रमेश प्रसाद
6	पण्डित	4795/6396	29/11/2024	कार्यरत	प्रो. रमेश प्रसाद
7	नीतेश वर्धन	4793/6394	29/11/2024	कार्यरत	प्रो. रमेश प्रसाद

संकाय के शोध छात्रों का विवरण

प्राकृत एवं जैनागम विभाग

क्र.सं.	शोधार्थी	पंजीकरण संख्या	दिनांक	निर्देशक
1	जितेन्द्र कुमार	4703/6304	08/05/2023	प्रोफेसर हरिशंकर पाण्डेय
2	दुर्गा आचार्य	-	-	प्रोफेसर हरिशंकर पाण्डेय
3	मुन्ना दुबे	4791/6352	21/11/2023	प्रोफेसर हरिशंकर पाण्डेय
4.	योगेश कुमार तिवारी	4743/6344	11/09/2023	प्रोफेसर हरिशंकर पाण्डेय
5	विष्णु चौबै	4742/6343	24/05/2023	प्रोफेसर हरिशंकर पाण्डेय
6	वेद प्रकाश त्रिपाठी	4630/6231	29/04/2023	प्रोफेसर हरिशंकर पाण्डेय

संकाय के शोध छात्रों का विवरण

संस्कृत विद्या विभाग

क्रम सं.	शोधार्थी	निर्देशक:
1	लोकेश कुमार सिंह	डॉ. लक्ष्मीकांत झा
2	शिवम शुक्ला	डॉ. रविशंकरपाण्डेय
3	धनञ्जय पाण्डेय	डॉ. रविशंकरपाण्डेय
4	विद्याधर पाण्डेय	प्रो. रमेश प्रसाद
5	विकासकुमार उपाध्याय	डॉ. रविशंकरपाण्डेय
6	अनुज कुमार उपाध्याय	डॉ. रविशंकरपाण्डेय
7	गोमती आचार्य	डॉ. रविशंकरपाण्डेय
8	जितेन्द्रधर द्विवेदी	डॉ. रविशंकरपाण्डेय
9	अनुराग कुमार पाण्डेय	डॉ. रविशंकरपाण्डेय

संकाय में शैक्षणिक पदों की स्थिति

क्र. सं.	पद नाम	पूरित	रिक्त	कुल संख्या
01.	प्रोफेसर	00	02	02
02.	एसो. प्रोफेसर	01	01	02
03.	असि. प्रोफेसर	02	06	08

संकाय में गैर – शैक्षणिक पदों की स्थिति

क्र. सं.	पद नाम	पूरित	रिक्त	कुल संख्या
01.	लिपिक	02	03	05
02.	परिचारक	04	01	05

संकाय की सुविधाएं

विभागीय पुस्तकालय – शोध अध्ययन के लिए उपलब्ध पुस्तक संग्रह

सुसज्जित पठन – पाठन कक्ष

संकाय में कम्प्यूटर, फोटे स्टेट मशीन, प्रिन्टर की सुविधा

संकायीय समिति

संकाय बोर्ड

शिक्षण विधि

- ❖ व्याख्यान विधि
- ❖ चर्चा विधि
- ❖ ध्यान विधि
- ❖ समस्या समाधान विधि
- ❖ सहयोगी शिक्षण विधि
- ❖ पाठालोचन विधि
- ❖ विभज्य विधि

अध्यापकों की शैक्षणिक योग्यता विवरण

अध्यापक नाम	योग्यता	धारित पद	विशिष्टता का क्षेत्र	अध्यापन अनुभव	निर्देशित शोध छात्र
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	एम0 ए0 संस्कृत और प्राकृत लब्धस्वर्णपदक पी.एच.डी., डी. लिट्	प्रोफेसर- प्राकृत एवं जैनागम विभागाध्यक्ष/संकाया ध्यक्ष/छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष (DSW)	काव्य, शास्त्र, प्राकृत, साहित्य, नाटक	38	31
प्रो, रमेश प्रसाद	एम.ए., एम.फिल., पी.एच. डी.	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	थेरवाद अभिधम्म	27	24
डॉ. रविशंकर पाण्डेय	पीएच. डी , नेट	सहायकाचार्य:	संस्कृत, व्याकरण	16	07

प्रकाशन विवरण

सम्पादक	पुस्तक/ पत्रिका	सत्र	ISSN/ ISBN	प्रकाशन
प्रो. रमेश प्रसाद	पालिपटिपदा	2021	.....	पालि सोसाइटी आफ इण्डिया
	धर्मदूत पत्रिका VOL - 84 से 90 तक	2018 से 2024 तक	2347-3428	महाबोधि सोसाइटी आफ इण्डिया

प्रकाशन विवरण

सम्पादक	पुस्तक/पत्रिका	सत्र	ISSN/ISBN	प्रकाशन
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	भारतीय ज्ञान परम्परा विमर्श	2023	978-81-940936-8-8	भारती प्रकाशन
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	आगमों का अलंकार शास्त्रीय अध्ययन	2024	978-93-95276-15-3	प्राच्यविद्या भवन प्रकाशन
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	कुलगीतम् शैलीवैज्ञानिकमध्ययनम्	2022	81-7270-299-x	सं.सं.वि.वि., वाराणसी
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	सनातन विमर्श	2024	978-93-95276-16-0	प्राच्यविद्या भवन प्रकाशन
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	श्वेताम्बर आगमों का रसशास्त्रीय विवेचन	2024	978-93-95276-15-3	प्राच्यविद्या भवन प्रकाशन
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	भारतीय विरासत एक अनुशीलन	2024	978-93-94814-19-6	भारत – भारतीय प्रकाशन
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	जैन अर्द्धमागधी आगमों का काव्यशास्त्रीय परिशीलन	2024	978-93-94343-85-6	सं.सं.वि.वि., वाराणसी
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	भारतीय चिन्तन का उत्कर्ष	2024	978-81-972972-6-9	भारती प्रकाशन

प्रकाशन विवरण

सम्पादक	पुस्तक/पत्रिका	सत्र	ISSN/ISBN	प्रकाशन
डा. रविशंकर पाण्डेय	पाणिनिव्याकरणे प्रत्ययव्यवस्था	2017	2347-9892	शोध प्रज्ञा प्रकाशन
डा. रविशंकर पाण्डेय	त्वरित वक्तारो भवन्ति	2017	2230-8962	वेद विद्या प्रकाशन

संकाय के प्रमुख कार्यक्रम

- बुद्ध जयन्ती।
- बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती।
- महावीर जयन्ती।
- आचार्य जगन्नाथ उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला।

संकाय के सेवा प्राप्त छात्र

क्र.सं.	नाम	पद	संस्थान	विभाग/सत्र
1.	डॉ. आशिष गड्पाल	शिक्षक	शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, जाम,कटंगी, बालाघाट (म.प्र.)।	पालि
2.	डॉ. सोनल सिंह	Assistant Direct	महायोगी गुरु श्री, गोरक्षनाथ पीठ, दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर।	पालि /2021-24
3.	डॉ. गणेश गिरि	सहायक विभागाध्यक्ष	सत् गुरुधाम संस्कृत महाविद्यालय, चाँदनी जालौन।	पालि
4.	डॉ. विद्या धर तिवारी	शिक्षक	उच्च माध्यमिक विद्यालय वेलाव,प्रथम नवानगर, विहार।	पालि
5.	डॉ. विशाखानन्द बन्सोड	ICCR	सम्पूर्णान्द संस्कृत विश्वविद्यालय ,वाराणसी।	पालि/2021-23
6.	डॉ. मुकेश मेहता	सहायक आचार्य	स्वामी विवेकान्द सुभारती, मेरठ(उ.प्र.)।	पालि/2021-23

संकाय के सेवा प्राप्त छात्र

क्र.सं.	नाम	पद	संस्थान	सत्र
1.	डॉ. अमित कुमार	सहायक आचार्य	वीर कुंवरसिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार	2022
2.	श्री मनीष जैन	प्रवक्ता	लोक सेवा आयोग विहार	2024
3.	डॉ. पंकज जैन	सहायक अध्यापक	उच्च माध्यमिक विद्यालय इंदौर	2021
4.	डॉ. अरिहन्त जैन	सहायक आचार्य	विश्वविद्यालय मुंबई नियुक्ति	2023
5.	डॉ. श्रवण कुमार	अ. अध्यापक	सं.सं.वि.वि.,वाराणसी	2023
6.	डॉ. सूर्यभान कुमार	अ. अध्यापक	सं.सं.वि.वि.,वाराणसी	2024

संकाय के सेवा प्राप्त छात्र

छात्रनाम	उपलब्धि
विद्याधर तिवारी	अध्यापक
ब्रह्माजी द्विवेदी	अध्यापक
भास्कर पाण्डेय	अध्यापक
राजकुमारी	अध्यापक
विकास पाण्डेय	अध्यापक
अनुराग कुमार पाण्डेय	अध्यापक

विविध प्रतियोगिताओं में सफल छात्र

सोनम नोरबू – नेट. जे.आर.एफ., पालि विषय

नितेश वर्धन – नेट. जे.आर.एफ., पालि विषय

1. शुभम पाण्डेय – काशी विश्वनाथ न्यास ट्रस्ट, मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा रू.10,000/- का चेक प्राप्त। (विषय - जैनदर्शन)

2. अम्बिकेश कुमार –विभाग में अधिक अंक प्राप्त करने पर राज्य सरकार द्वारा टैबलेट प्राप्त। (विषय - जैनदर्शन)

विविध प्रतियोगिताओं में सफल छात्र

श्री जितेन्द्र कुमार सत्र - 2023 में यूजीसी द्वारा आयोजित जे.आर.एफ. नेट परीक्षा उत्तीर्ण किया, ओबीसी कैटेगरी में सर्वाधिक अंक प्राप्त।

दीपक वत्स शास्त्री द्वितीय वर्ष 2023 ने अमृत महोत्सव पर भारत सरकार द्वारा आयोजित लोक-गीत लेखन राष्ट्रीय पुरस्कार (यूनिटी एंड क्रिएटिविटी) रूपये 04 लाख नगद प्राप्त।
देशभक्ति गीत का शीर्षक -"भारत दुनिया का शान छै" मैथिली गीत श्री अर्जुन राम मेघवाल भारतीय संस्कृति कानून एवं न्याय राज्य मंत्री एवं श्रीमती मीनाक्षी लेखी संस्कृति एवं विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार द्वारा 4 लाख रुपए की प्राप्ति।

क्रम सं.	छात्र\छात्रा नामानि	शीर्षकम्
1	आंनद दूबे	NET
2	विकासकुमार पाण्डेयः	NET
3	अमित मिश्रः	JRF
4	अञ्जिका तिवारी	पालि - प्राकृत – संस्कृत में कुंभ का महत्व तृतीयः पुरस्कारः

संकाय से जुड़े विशिष्ट शिक्षाविद्

- प्रो. हर प्रसाद दीक्षित – पालि एवं थेरवाद, (सेवानिवृत)सं.सं.वि.वि., वाराणसी
- प्रो. श्री उपेन्द्र राव – जे.एन.यू.दिल्ली
- प्रो. कल्पना जैन – लाल बहादुर शास्त्री विश्वविद्यालय, दिल्ली
- प्रो. उज्जवल कुमार – कोलकाता विश्वविद्यालय
- प्रो. कृष्ण देव प्रसाद पालि – प्राकृत विभाग)मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- प्रो. अमरावती चौरसिया – (सेवानिवृत) मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- प्रो. राय अश्वनी कुमार – (सेवानिवृत) मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- प्रो. विश्वनाथ चौधरी – (सेवानिवृत) वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
- प्रो. राम जी राम – (सेवानिवृत) वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
- प्रो. दूधनाथ चौधरी – वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
- प्रो. एस.पी. राय – (संस्कृत विभाग) वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
- प्रो. सत्य प्रकाश शर्मा – (सेवानिवृत) अलीगढ़, विश्वविद्यालय
- प्रो. रमाकान्त पाण्डेय – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

- प्रो. प्रद्युम्न शाह सिंह – (जैन–बौध्द विभाग) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. विमलेन्द्र कुमार – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. हरिशंकर शुक्ल – (सेवानिवृत) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. प्रीति दुबे – (सेवानिवृत्त) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. फूलचन्द जैन – (सेवानिवृत) सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. अनेकांत जैन – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. आनन्द कुमार – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. लक्ष्मी नारायण पाण्डेय – पटना यूनिवर्सिटी
- प्रो. प्रदुम्न दुबे – (सेवानिवृत) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. रामनारायण द्विवेदी – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो. दानपति त्रिपाठी – काशी विद्यापीठ
- प्रो. अशोक जैन – (सेवानिवृत) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

संकाय के प्रबल पक्ष

❖भारतीय विद्या का विकास एवं प्रतिष्ठापन करना।

❖ सभी भारतीय धाराओं – बौध्द–जैन–पालि–प्राकृत–संस्कृत (वैदिक) के शाखा प्रशाखाओं के उच्चस्तरीय अध्ययन – अनुसन्धान की उत्कृष्ट व्यवस्था।

❖देश – विदेश के छात्रों का सम्यक् अध्यापन एवं मार्गदर्शन करना।

❖इन विधाओं में गोपित, अपरिमित विद्या तत्वों को लोक योग्य बनाना।

❖अनवरत स्वाध्याय – अध्यापन – लेखन – अनुसन्धान आदि को प्रतिष्ठापित करना।

संकाय की भावी योजनाएं एवं सम्भावनाएं

- विभागीय भवन - निर्माण की आवश्यकता।
- विभाग में आचार्य कक्ष, अध्यापन कक्ष की सम्यक् व्यवस्था।
- विभाग का प्रचार - प्रसार।
- विभागीय कार्यालय।
- विभाग में अपेक्षाकृत छात्रों की संख्या कम होना।
- यहां पर दूर - दराज के छात्र पढ़ने आते हैं। वहां पर कुछ विभागों का प्रचार - प्रसार नहीं है।
- इन कमजोरियों को दूर करने के लिए संकाय प्रयासरत है। अपनी उपलब्धियों का छात्रों के बीच संस्थापन कर छात्राकर्षण का कार्य संकाय करता है।

धन्यवाद